प्रतिबंधित संचलन

खंड– 4 अंक–115 दिनांक– 04/01/2019

के. रि. पु. बल ई–संवाद
सेवा एवं निष्ठा

सीआरपीएफ के जांबाज़

31 दिसंबर 2018 को सिंजानी, खुंटी, झारखंड मे एक माओवादी रोधी ऑपरेशन में 157 बटा. सीआरपीएफ के सहायक कमां. गुलाम जिलानी खान ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए इस युवा अधिकारी ने अपने साथियों की जान बचायी और राष्ट्र सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया।

श्री गुलाम जिलानी खान, सहा. कमांडेंट के नेतृत्व में 157 बटा. सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने 31 दिसंबर 2018 को झारखंड के खुंटी जिला के थाना अरकी के अंतर्गत सिंजानी के जंगल क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन एवं तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान श्री गुलाम जिलानी खान, सहा. कमांडेंट (29 वर्ष, अविवाहित, निवासी–बारामूला, जे एंड के) को करंट लगा। उन्हें पीएचसी अरकी में इलाज के लिए ले जाया गया। प्रथम उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल खुंटी में बेहतर इलाज के लिए भेजा गया जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

समाजिक पहुंच

218 बटा सीआरपीएफ ने अपने सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत झारखंड के कुरूमगढ़, गुमला के निकट पिछड़े हुए सकरा गांव में आवश्यकता की वस्तुओं का वितरण किया।

112 बटा सीआरपीएफ ने सिविक एक्शन कार्यक्रम **"अंधेरे से उजाले की ओर"** का आयोजन किया और झारखंड के गांव तोंगारी में जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच सोलर लाइट्स और स्कूली बच्चों के बीच स्टेशनरी का वितरण किया।

190 बटा सीआरपीएफ द्वारा अपने सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत झारखंड के ब्लाक कुंडा और हंटरगंज के गांव हथवरिया के जनता हाई स्कूल में चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क इलाज उपलब्ध करवाया और दवाओं का वितरण किया गया।